



संपादकीय

हिमाचल में खत्म होती सहिष्णुता

कां गढ़ा जिले के परागपुर में हल्की सी कहासुनी के चलते दो बुजुर्गों को खत्म हो गये थे। गर्म यानी के पर्याले में डाल देना और उनमें से एक 61 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो जाना बेहद शर्मनाक वाक्य है। इस दिल दलता देने वाली वारदात ने सबको झकझोर कर रख दिया है। जिस शख्स ने बुजुर्गों को धक्का दिया, उसने यह नहीं सोचा था कि इससे जान भी चली जाएगी। दूसरा 60 वर्षीय बुजुर्ग भी बुरी तरह जाखी हुआ है। वह भी मौत से जूँझ रहा है।

पुलिस ने बेशक आरोपी हमलाता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे सालाखों के पीछे थकेता दिया हो, लेकिन जिस प्रवाराम में मातम हो गया, उसका क्या। यह बहुत ही सोच विचार करने वाली बात है कि आखिर हमलाता ने ऐसा खोफकान कदम क्यों उठाया। हमलाता भी अनी हक्कत पर अकस्मै प्रकट रहा है, लेकिन इससे किसी की जान तो वापस नहीं आएगी। जिस जगह यह वाक्य हुआ, वहां धर्मिक मुदुन संस्कार हो रहा था। लोग खाना खाने के लिए आ रहे थे। माहोलं रंगारंग था, लेकिन जैसे ही इस घटना के बारे में पता चला तो वहां एकदम से सन्नाटा पसर गया। खुशियां मात्र में बदल गई। महान तरह-तरह की बातें करने लगे और वहां से अपने घरें को तुरंत लौटने लगे।

इस तरह की घटना जब होती है तो लोग अपने आप को बचाते हैं और वहां से खिसक जाना ही उचित समझते हैं। एक सिरफिरे की बजह से पूरा कार्ज खराब हो गया। सभ्य समाज में यह अच्छी बात नहीं है। एक बहुत ही प्यारा शब्द है ‘सहिष्णुता’ जिसे आसान भाषा में सहनशीलता भी कहा जाता है, का विस्तृत रूप में अथवा यह है कि समाज के भीतर व्यक्तियों का समृद्ध, दूसरे समृद्धों से मूल्य, विचार, प्रथा, परंपरा, नैतिकता, मानवंड आस्था, विश्वास से अलग होने के बावजूद दोनों समुदाय एक-दूसरे को स्वीकार करते हैं, साथ ही उदारता भी दिखती है। समाज में सहिष्णुता को बढ़ावा देने और जन में जगरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस भी मनाया जाता है, लेकिन इस तरह की वारदातों की वजह से इस दिवस के मनाने का भी औचित्य भी साथक नहीं रह जाता।

व्यक्ति को हिस्सा की भावना और नकारात्मकता को खत्म कर अहिंसा का रास्ता अपनाना चाहिए। इस संसार में आर आए हैं तो कुछ नेक काम करके जाने चाहिए।

जिंदगी में बहुत कुछ घटित होता है, लेकिन हर समस्या का समाधान गुस्सा नहीं होता है। थोड़ी देर का क्रोध विवाह का करना चाहिए। यह व्यक्ति की मति मार देता है तथा बुद्धि हर लेता है। इसके बरीचीभूत होकर लोग अक्सर गलत कदम उठा लेते हैं। इसकी बजह से इसन सही-गलत में अतंत नहीं कर पाता है और वहाँपर पर उत्तर हो जाता है। इसके प्रभाव में इंसान अपावान, स्नेह, लगाव, प्रेम, अतीव्याप्ति तो छोड़े, अपना अस्तित्व तक भूल जाता है। क्रोध की अवस्था में किसी की जाए। इस सारे बठनाम से लोगों को यही सुख लेनी चाहिए कि खुद कभी क्रोध नहीं करो और अपना कोई दूसरा व्यक्ति करता है तो उसके सामने न जाएं ऐसा करने पर घटनाओं को टाला जा सकता है।

इसन का रोप उसके लिए कई बार अधिकार्यान्वयन करता है। हमाचल जैसे शांत पहाड़ी राज्य में ऐसी वारदात के रूप में भी सामने आता है। यह मानव मर्म की एक भावना है, जिसे अक्सर अच्छा नहीं माना जाता है। क्रोध का जनक भय भी माना जाता है। जब इंसान भय पर नियंत्रण करने की कोशिश करता है, तो वह रोप के रूप में प्रकट होता है। कहा गया है कि काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह ये सब जीवन के सबसे बड़े शत्रु हैं। हमाचल जैसे शांत पहाड़ी राज्य में ऐसी वारदात स्वीकृत अन्य व्यक्ति की याद नहीं है, व्यक्तियों की यादी को यही तरह पर्याप्त होती है।

इनमें विहृण प्रकार का गोंद भी मिलता जाता था, जैसे कि नीम का गोंद।

सेंकड़ी विचकलों वाली भी इन चित्रों की चिक्कम की जाए। इस सारे बठनाम से लोगों को यही सुख लेनी चाहिए कि खुद कभी क्रोध नहीं करो और अपना कोई दूसरा व्यक्ति करता है तो उसके सामने न जाएं ऐसा करने पर घटनाओं को टाला जा सकता है।

ममता दीदी ! बंगाल में स्त्री अदिगता लुट दही और आप तुष्टिकरण में लगी हैं

ममता बनर्जी को लेकर जब उनके प्रशंसक

उनका गुणगान करते हैं तो यही बताते हैं कि बहुत संघर्ष भरा है ‘ममता दीदी’ का

राजनीतिक जीवन। वह 1992 का दिसंबर महीना विशेष

तौर पर याद दिलाना नहीं भूलते, जब एक शारीरिक रूप से अक्षम लड़की फेलानी बासक जिसका कथित तौर पर सीपीआई (एप) कार्यकर्ताओं द्वारा बालकान किया गया था, को वह तत्कालीन मुख्यमंत्री जयोति वसु के पास ले गई थीं, लेकिन पुलिस ने उन्हें

इन्हाँ को खत्म कर दिया था।

यानी ‘दीदी’ के प्रशंसक यह

जरूर बताते हैं कि उनका राजनीतिक

सफर त्रैयी अस्मिता के लिए एं संघर्ष

करने वाली बुलंद आवाज के रूप में

शुरू हुआ है। लेकिन इस रूपांसा के इतर बालकान के रूपांसा के लिए एं परिश्रृंखला

के द्वारा आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद करता है। यहीं आवाज के रूप में एक बालकान के रूप में

खुद क

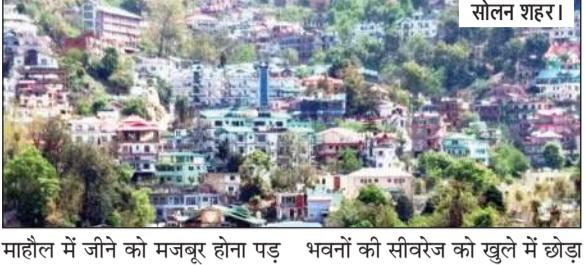
नालों में फैली गंदगी से लोगों का जीना मुहाल

नालों को कवर करने के लिए नगर निगम अभी तक नहीं कर पाया कोई बड़ी योजना तैयार, 50 करोड़ होंगे खर्च

आर मोहन चौहान, सोलन

शहर में नालों के प्रदूषण से लोगों को विश्व स्वास्थ्य मानकों के विपरित प्रृथिवित माहील में जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। नालों का प्रूषण लोगों की सेहत के लिए खतरा बनता जा रहा है, लेकिन नगर निगम इस दिशा में भी नहीं दिख रहा है।

नालों को कवर करने के लिए नगर निगम अभी तक कोई बड़ी योजना तैयार नहीं कर पाया। निगम के मुताबिक शहर के नालों को कवर करने के लिए करीब 50 करोड़ रुपए की लागत आयी। शहर में कई दस्तकों से खुले में बह रही नालों की गंदगी से जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं इसके नजदीक स्थित दर्जनों काँलोनियों को प्रदूषित



सोलन शहर।

माहील में जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। नालों में डाली गई सीधरेज की पाइपों से तो समस्या और भी गंभीर हो चुकी है। कहांहों को तो जल शक्ति विधान ने शहर में सीधरेज की काँलोनियों के मुताबिक आवासीय काँलोनियों के असपास खुले में बहते नालों को कवर करना जल्दी होता है। नालों में सीधरेज को छाड़ाना भी तैयार की है, लेकिन यह किन्हीं कारणों से जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं इसके नजदीक

(अनंत ज्ञान)

बरसात में बंद पड़ जाते हैं नाले

शहर में रेलवे लाइन व घासी की तरफ बहते नाले हमेशा गंदी से अटे रहते हैं। नियमित सफ-सफाई नहीं होने से बारिश की स्थिति में नाले बढ़ती हो जाती है। इसके चलते नालों का गंदा पानी लोगों के घंसे में खुम जाता है। बारिजूद इनसे नालों के चैनलाइज के लिए आज तक टेस्स योजना नहीं बन पाई। शहर में इस समय करीब एक दर्जन से अधिक गंदी खुले रहे हैं। योजना के तहत नालों को कवर कर कर आसपास की सुधारी प्रक्रिया की जाती है। आवासीय काँलोनियों के असपास खुले में बह रहे नाले लोगों के लिए खतरा बन चुके हैं। साथ ही इसके असपास के गुरारी ऐसेजल की पाइप लाइन में भी गंदा पानी खुले रहता है। घोबाषाट, डीमी काँलों से जहां बहता रहा गंदा खुले में बहते नाले को तरफ जाता नाला, माल रेड से कथेड़ नालों को बहता करना जल्दी होता है। नालों में सीधरेज को छाड़ाना भी प्रतिवर्धित है। बावधूद इसके शहर में इन नियमों का जमकर उल्लंघन किया जाता नाला इस समय कामों प्रदूषित हो चुका है।

(अनंत ज्ञान)

नालों को कवर करने के लिए बड़े बजट की ज़रूरत है। फिरहाल बजट नहीं होता। शायद के नालों को कवर करने की डीपीआर बाई जाएगी।

उमा शर्मा, नेयर नगर निगम, सोलन।

पेढ़ल रास्ते की भी होंगी सुविधा

योजना के तहत नालों को कवर करने की मांग कर रहे हैं। इसी तरह मधुबन कलोनी के नाले को भी कवर किया जाना है, लेकिन धन के अधार में अभी इससे पक्का की विधा जा सका है। यह बंदेश से समय रहते योजना को मंजूरी मिले तो नालों को पक्का करने के साथ इसमें सोन्हे की मात्रा पर रसत से करना जाया। इससे नाले बढ़ होने के साथ लोगों को सड़क व पैदल रास्ते की सुधारी भी होंगी। अभी कई जहां नालों को क्रॉस करने के लिए गंगों का प्रवाधन ही नहीं है नालों के कवर होने से इसके असपास पौधरोपण भी किया जाएगा। इससे शहर के पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ लोगों को स्वच्छ आवेद्धा में जीने की सुधारी भी मिलेगी।

बद्दी में किराये के मकान से 56 पेटी अंग्रेजी व देसी शराब बरामद



बद्दी पुलिस की हिरासत में पकड़ी गई अवैध शराब।

अनंत ज्ञान, बीबीएन

पुलिस थाना बद्दी के तहत बाई पास रोड बद्दी में एक व्यक्ति के रिहायशी मकान से देसी व अंग्रेजी अवैध धंधा करता है। शिकायत के आधार पर जब पुलिस ने आपामारी की, तो मनप्रीत से तवारी की दीरान कुल 56 पेटी अंग्रेजी और देसी शराब बरामद की गई है।

पुलिस थाना बद्दी के तहत आवाकारी अधिनियम में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला बद्दी पुलिस अधीक्षक अशोक वर्मा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है और मामले की आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

शूलिनी विश्वविद्यालय में असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य बना आकर्षण



अनंत ज्ञान ब्लूग्रॉ, सोलन

■

वलोटीन व टैबलेट डालने के विभाग ने दिए आदेश

परवाणु ने फैले डायरिया को लेकर आज होगी बैठक

परवाणु में 197 लोग डायरिया के शिकार

बुधवार को भी अकेले परवाणु बैठे में ही डायरिया के एर मामले सामने आए हैं।

ऐसे में अब कुल अकेला दीपी बैठे से 197 तक जा पहुंचा है।

वहीं, परवाणु बैठे में अभी भी सोलाइ लोगों तक की जाती है, ऐसे में वहां फैल रहा डायरिया पर कंट्रोल बनाने के लिए अधिक वीरवार को हाई

चुनौतीयां हैं। उत्तर, ओडियोगिक बैठे परवाणु में हो जाएगा। बालाक व अस्पताल में डायरिया के केस

आ रहे हैं।

इसके चलते परवाणु में डायरिया को हाई

लेवल बैठक होने जा रही है।

फिलहाल कंट्रोल लैंबे में भेजे गए। चार पानी के संपूर्ण में से 3 में कॉलीफॉम बैकटीरिया पाया गया है, जबकि एक जगह की रिपोर्ट ठीक आई है। इस कारण सोलन स्वास्थ्य विभाग अब तुम्हारा लागा रहा है कि परवाणु में जै डायरिया तेजी से फैला है, इसकी वजह इन जगह नालों का गंदा खाली है। ऐसे में तुरंत प्रभाव से अब विमुड़ा को पानी साप्लाई करने से पहले क्लोरीन ब

लैंबे बैठकों में भेजे गए हैं।

टैबलेट डालने के सख्त अदेश दिए गए हैं, ताकि किसी भी सूरत में अब

परवाणु में डायरिया और अधिक न बढ़े।

इसके अलावा परवाणु व असपास के क्षेत्रों में आशा बैक्स के वहां के टैंक को खाली कर उसमें ध्वीचंग पाउडर डालकर ही लोगों को पानी की सप्लाई करें।

इसके लिए डॉक्टर बैठकों में भेजे गए हैं।

इसके बाद उसके लिए दिनें दिए गए हैं और परिपोर्ट में

कॉलीफॉम बैकटीरिया निकला है, वहां के टैंक को खाली कर उसमें ध्वीचंग पाउडर डालकर ही लोगों को पानी की सप्लाई करें।

दिन राज्यों के छात्र ओपन एयर थियोरेट (ओपीटी) विश्वविद्यालय परिसर में कांस्यांतर विश्वविद्यालय में अपनी विरासत और प्रसंप्राप्तों का प्रदर्शन करने के लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम की बाबत आया है।

दिन राज्यों के छात्र एयर थियोरेट के विश्वविद्यालय के विभाग ने ही हिमाचल विभाग के एर मामले आपामारी की ओपन एयर थियोरेट के विभाग ने ही हिमाचल को तुरंत प्रभाव

होने के लिए दिनें दिए गए हैं।

इसके बाद उसके लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है और इसके द्वारा उसका विभाग आया है।

यहां लोगों के लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है।

यहां लोगों के लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है।

यहां लोगों के लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है।

यहां लोगों के लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है।

यहां लोगों के लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है।

यहां लोगों के लिए एक साथ आये।

असमिया संस्कृति का बिहू नृत्य इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है।

न्यूज ब्रीफ

सक्षम खिलाड़ियों के बीच पैरा
तीरंदाज शीतल ने जीता रजत पदक

नई दिल्ली। एशियाई पैरा खेलों की स्थान विजेता शीतल देवी
एकटीपीसी राष्ट्रीय टीमें
प्रतियोगिता में
समकालीन खिलाड़ियों
के बीच रजत पदक जीता। वह
दृष्टिगती की
बाद दूसरे स्थान पर रही जो जूनियर विश्व चैम्पियन है। टीमीप
युवाओं खेल परिसर में आजीत प्रतियोगिता में 17 वर्षीय
शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिरूपी की और
व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140
से हार गई।

झेंग ने स्टुटगार्ट में कर्टी को हराया



स्टुटगार्ट। खेल की झेंग विजेता ने पोर्ट ग्री टेनिस ट्रॉफी के पहले दौर में सोलाना कर्टी को बीची सेट में खिलाड़ियों की बढ़ावा की साथ से बर्क की रिपोर्ट ड्रॉग ने 76-76 मिनट में 6-2, 6-3 से जीत दर्भ की। झेंग लंबे सफर के बाद वहां पहुंची थीं लिंकिं अपने पार थार्कन का असर जहाँ दिखा। वह पहले लिंगिं से शांखा और फिर हाथ से फ्रैक्टर गई जहां से वह स्टुटगार्ट पहुंची।

एटलेटिको का हराकर डोर्टमंड
वैयिंग्स लीग के सेमीफाइनल में
टोर्टमंड (जर्मनी)। मार्सेल लेविटजर ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की जिससे बोसिया टोर्टमंड ने एटलेटिको मैटिंड को दूसरे घर के सुकाबले में हराकर चौथी लिंगि फुटबॉल ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जहां बनी हुई मैटिंड में पहले घर के सुकाबले 1-2 से गंवाने के बाद डोर्टमंड ने दूसरे घर के सुकाबले 4-2 से जीता और कुल 5-4 से खेल से घर के सुकाबले का सुकाबला जीतकर ट्रॉफी में प्रवेश करने में सफल रहा।

अनंत ज्ञान, ऊना

अंडर-16 जिला स्तरीय प्रतियोगिता का
लीग मुकाबला कांगड़ा और सोलन के
बीच में पीसीपी ग्राउंड सोलोगढ़ ऊना
में मंगलवार को आरंभ हुआ था,

आईपीएल-2024

दोनों टीमों के छह-छह मैचों के बाद समान घार अंक, धवन 10 दिन के लिए हुए बाहर

मुंबई के खिलाफ जीत को बेताब पंजाब

एंजेसी, मुल्लगंपुर

पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस निचले हाफ में चल रही दो टीम की जग में युस्तुक को यहां जब आमने-सामने होंगे तो दोनों इंडियंस प्रीमियर लीग में अपने लाड़खाड़ों अधियान को फिर से पटरी पर लाने के लिए बेताब होंगे।

छह-छह मैचों के बाद दोनों टीमों के साथ चार अंक हैं। दोनों की नेट रन देकर में दशमलाई अंकों का अंतर है। पंजाब माइनस 0.218 के नेट रन रेट से सातवें जबकि मुंबई इंडियंस (माइन 0.234) आठवें स्थान पर है।

पंजाब और मुंबई दोनों ने चार-चार मैच गंवाए हैं। दोनों की अपने पिछले मैच हारे हैं और इस मैच में जीत के साथ वापसी करने की कोशिश करेंगे।

पंजाब के लिए अनेक शीर्ष क्रम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की चुनौती बढ़ गई है क्योंकि नियमित कसान शिखर ध्वन कथे की चौट के कारण 'सात से 10 दिन' के लिए बाहर हो गए हैं। इस सत्र में पांचाल की टीम के लिए अंजब नाम भारतीय खिलाड़ियों के साथ अंजब नाम भारतीय शर्मी ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन ये दोनों निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं और उन्हें एक से अधिक बार शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन की भरपाई की है। प्रभ्रसिमरन सिंह का



प्रदर्शन चिंता का विषय है। वह छह मैच में 19.83 की औसत से 119 रन ही बना पाए हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के लिए भी यही कहा जा सकता है। विश्व कप टीम के लिए चयन निकट अनेकों के साथ विजेता अंजब प्रश्नान करने के लिए उत्साहित होंगे जो अब तक छह मैच में 17.66 की औसत से मात्र 106 रन बना सके हैं।

पंजाब को सैम कुरेन और कैपिटन रवादा की अपनी विदेशी गेंदबाजी जोड़ी जीत से उनका लगातार तीन हार का

क्रम दूरा लेकिन रोहित शर्मा के शतक के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम को हार मिली। हार्दिक पांडिया की फॉर्म और टीम में भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

मुंबई इंडियंस को पता है कि उके लिए एपरियल क्षमता है, लेकिन उन्हें लगातार एकजूट होकर प्रश्नन करने की जरूरत है। दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के खिलाफ थोरले मैदान पर दो जीत से उनका लगातार तीन हार का

संभावित टीमें

पंजाब किंग्स : शिखर ध्वन (कप्तान), मैथ्यू शॉट्ट, प्रीमियर सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, त्रिविष ध्वन, लिमान लियिस्टेन, अर्थव टाईडे, अर्थविं प्रियंका, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कैपिटन रवादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत बाटिया, विद्युत कावेष्या, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पांडिया (कप्तान), रोहित शर्मा, सुर्यकाम याचव, डेवाल्ड ब्रेविस, जस्प्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेशल कोर्जी, टिम वॉल्ड, श्रेस गोपाल, ईशान किशन, कुमार कार्तिक्य, आकाश मधवाल, वेणु माफाका, मोहम्मद नवीन, शम्सुलामी, नमन धूर, शिवालक शर्मा, रोमारिया अंजब, अर्जुन तेलुकर, नुवान तुशरा, लिलक वर्मा, हर्षविं देवाई, नेहल वड्डा और लूक्यु बुडा।

अधिक की दर से रन दिए हैं। बल्ले से भी पांडिया टीम को मजबूती देने में नाकाम रहे हैं।

साथ ही पांडिया ने इस सत्र में अब तक खेले सभी मैच में विभिन्न स्टेडियमों में प्रतिकूल माहोल का सामना किया है जिसका किसी खिलाड़ी पर भावना उत्पन्न करने की कोशिश की है, लेकिन उनकी 12 की इकोनॉमी रेट द्वारा अपने चारों में से एक से ज्यादा चिंताजनक है। गेशल कोएजी (नौ विकेट) और आकाश मधवाल (चार विकेट) ने भी प्रति ओवर 10 रन से महत्वपूर्ण हो गई हैं।

कोलकाता। आईपीएल-2024 में

कोलकाता नाइट राइडर्स और

राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच के दौरान थीमी ओवर गति के कारण के कारण के कारण

प्रतियोगिता का अंतर्गत विजेता बना रहा है।

चहल ने फेंका

आईपीएल इतिहास का

सबसे महंगा स्पैल

कोलकाता। आईपीएल-2024 में

कोलकाता नाइट राइडर्स और

राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच के दौरान थीमी ओवर गति के कारण

प्रतियोगिता का अंतर्गत विजेता बना रहा है।

चहल ने आईपीएल इतिहास में

अपने चार ओवरों में सबसे ज्यादा

रन देने का रिकॉर्ड बनाया है। चहल

ने मैच में 54 रन देकर 1 विकेट लिया।

इससे पहले उन्होंने 2024 में मुंबई

इंडियंस के खिलाफ चार ओवर में

51 रन देकर 1 विकेट लिया था।

अधिक की दर से रन दिए हैं। बल्ले से भी पांडिया टीम को मजबूती देने में नाकाम रहे हैं।

साथ ही पांडिया ने इस सत्र में अब तक

प्रतियोगिता के दौरान खेले जाने वाले

सभी मैचों में ओवरों के स्पेलिंग

रिपब्लिक अंक कोरियोग की

जी हायंग किम से 10-0 से

प्रतियोगिता के दौरान खेले जाने वाले

सभी मैचों में ओवरों के स्पेलिंग

रिपब्लिक अंक कोरियोग की

जी हायंग किम से 5-2 से हार गई और रजत

प्रतियोगिता के दौरान खेले जाने वाले

सभी मैचों में ओवरों के स्पेलिंग

रिपब्लिक अंक कोरियोग की

जी हायंग किम से 2-2 से हार गई और रजत

प्रतियोगिता के दौरान खेले जाने वाले

सभी मैचों में ओवरों के स्पेलिंग

रिपब्लिक अंक कोरियोग की

जी हायंग किम से 2-2 से हार गई और रजत

प्रतियोगिता के दौरान खेले जाने वाले

सभी मैचों में ओवरों के स्पेलिंग

रिपब्लिक अंक कोरियोग की

जी हायंग किम से 2-2 से हार गई और